Mahila Co. -[illegible]nagar
Deptt of Psychology
B.A. III (Hons)
Group-A
Dr. Kusum Kumari

Socialization

समाजीकरण कि विभिन्न एजेन्सियाँ

(Major Agencies or Institutions of Socialization)

व्यक्ति के समाजीकरण मे विभिन्न समूह एव संस्थाओ कि बडी भूमिका है। क्योंकि व्यक्ति इन्ही समूह एव संस्थाओ का सम्बन्ध जन्म से लेकर मृत्यु तक रहता है और समाजीकरण कि सम्पूर्ण प्रक्रिया इनके अन्तर्गत घटित होते है। इन एजेन्सियों का वर्णन इस प्रकार करते है।

(i) परिवार (Family) → परिवार समस्त विश्व मे मानव संस्थाओ मे सबसे महत्वपूर्ण समाजीकरण माध्यम है। इस कथन कि पुष्टि किम्बाल यंग ने की है। परिवार समाज कि विशाल संस्कृति का वाहक है और व्यक्ति परिवार की संस्कृति का एक अंग। पारसन्स व बेल्स ने परिवार व समाजीकरण के अन्तः सम्बंधो को इतना महत्वपूर्ण माना है कि एक के बिना दुसरे कि कल्पना करना भी सम्भव नही है। बच्चे अधिकतर परिवार का प्रतिरूप होते है। समाजीकरण कि प्रक्रिया मे परिवार के महत्व को बरगस ने इन शब्दो मे बताया है। केवल वे ही बच्चे विवाह को सुखपूर्ण बना सकते है जिनके माता-पिता का पारिवारिक जीवन सुखी था।

(ii) मित्र समूह (Group of friends) → प्राथमिक समूह के रूप मे मित्र मण्डली समाजीकरण का मुख्य साधन है। अनेक बाहरी बातो कि जानकारी बच्चो को परिवार के स्थान पर मित्र मंडली से अच्छी प्रकार से मिल पाती है।

(iii) शिक्षण संस्थाएं (Educational institution) → शिक्षण संस्थाओ के माध्यम से लड़के नवीन विचारो के प्रारूपो, भिन्न भिन्न रूचि वाले लड़को तथा शिक्षक एव अन्य साथियो के सम्पर्क मे से समाजीकरण कि प्रक्रिया और भी नई दिशा ग्रहण करती है। जिससे कि बच्चो मे अनुकूलन, भिन्न भिन्न दृष्टिकोणो को समझना नवीनता के प्रति जागरुकता तथा ज्ञान कि पिपासा बढ़ती है। जो समाजीकरण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अनुशासन एव आत्मनियंत्रण समाजीकरण कि दिशा मे महत्वपूर्ण कदम है। जिनके लिए उपयुक्त शिक्षण संस्थाएं है।

(iv) क्रिड़ा समूह (Play Ground) → समाजीकरण के साधनो मे से खेल के ~~समूहो~~ साथियो का महत्वपूर्ण स्थान है। मित्रो का शुद्ध पर्यावरण मानवीय उद्देश्यो एव भावनाओ के निर्माण मे सहायक है।

(v) राजनैतिक संस्थायें (political institutions) → समाजशास्त्रीयों का यह कथन है कि राजनैतिक संस्थाओ के आधार पर मनुष्यो को यह ज्ञान होता है कि राज्य और सरकार क्या है इसकी उत्पत्ति किस प्रकार से हुई है संसार मे विभिन्न प्रकार के सरकारो मे कौन सी सरकार सर्वश्रेष्ठ है राज्य के प्रति व्यक्ति का क्या कर्तव्य है इत्यादी बातो का ज्ञान होने के कारण भी प्रशासन संबंधि गुणो मे विकास कर लेता है

(vi) आर्थिक संस्थायें (Economic Institution) → समाज मे आर्थिक संस्थाओ का प्रभाव भी मानव जीवण पर पड़े बिना नही रहता है। यदी व्यापारीगण अनैतिकता से परिपूर्ण होते हो व्यक्तिगत स्वार्थो मे लगे रहते हो तो समाज के लोग अधिकांशतः आर्थिक संस्थाओ के लाभालाभ मे लगे रहते है।

(vii) धार्मिक एव सांस्कृति संस्थायें (Religious and cultural institutions) → यदी समाज का धर्म और जनरीतियाँ, रुढ़ियाँ प्रथाए समाज के विभिन्न प्रकार के नियम मानव के विकाश मे योगदान देते है तो समाजीकरण उपयुक्त रहता है

(viii) विवाह (marriage) → समाजीकरण मे विवाह संस्था का महत्वपूर्ण स्थान है। यह जीवण कि प्रणाली है जहाँ व्यक्ति एक नये जीवण मे प्रवेश करता है।

(viii) पड़ोसी (Neighbourer) → समाजीकरण मे पड़ोसियो का भी महत्वपूर्ण स्थान है अच्छे पड़ोसी होने कि स्थिति मे बच्चे अच्छी आदते ग्रहण करती है जबकी बुरे पड़ोसी होने पर बच्चो मे विपरीत असर पड़ता है

(ix) ~~(viii)~~ नातेदारी समूह (kin group) → इस समूह मे रक्त एव विवाह से संबंधि सभी रिश्तेदार आ जाते है पति-पत्नि, भाई-बहनोई, साले-साली, देवर-भाभी आदी सभी ~~ब्ब~~ सम्बन्धियों के सम्पर्क मे व्यक्ति कुछ न कुछ सिखता ही है

(x) व्यवसाय समूह (occupational group) → व्यक्ति जिस व्यवसाय मे लगा रहता है उसके मूल्यो को भी ग्रहण कर लेता है। वह व्यवसाय के दौरान अनेक व्यक्तियो के सम्पर्क मे आता है छोटे-बड़े अधिकारी, एजेन्ट, मनीजर, आदी के सम्पर्क मे आने पर व्यवहारिक गुणो का संचार होता है।